दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 173 ■ दमण, सोमवार 30, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

मोदी सरकार महिला आरक्षण कानून लागू करने से पहले लोकसभा की सीटों को मौजूदा 543 से बढाकर 816 सीटें कर सकती है

लोकसभा सीटों के परिसीमन की चर्चा के बीच संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की दोनों लोकसभा सीटें रह सकती है बरकरार

■ 2019 में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और संघ प्रदेश दमण-दीव के एकीकरण के बाद लोकसभा की सीटों परिसीमन के समय सिर्फ 1 सीट रह जाने की बातें राजनीतिक गलियारों में लगातार चल रही थी ■ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मोदी सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले देश की महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33% आरक्षण का अधिकार देने के लिए नारी वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक मौजूदा सत्र में ही संसद में पेश करने का बना लिया है मन ■ सरकार महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित करने के लिए दो विधेयक लाने की बना रही है योजना : परिसीमन अधिनियम में संशोधन करके केंद्र सरकार महिलाओं के लिए 273 नई सीटें सृजित करने की योजना बना रही है ■ देश के ज्यादातर राज्यों की लोकसभा सीटों में 50% तक की हो सकती है बढोत्तरी : संघ शासित प्रदेशों में सीटों के बढने की कोई संभावना नहीं हालांकि कम करने की भी कोई योजना नहीं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मार्च। केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी में जुटी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लोकसभा की सीटों को मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 करने की दिशा में कदम उठाने की तैयारी चल रही है। यह प्रस्ताव जनसंख्या के मौजूदा अनुपात को बनाए रखते हुए परिसीमन आयोग के जरिए लागू किया जाएगा, जिसमें कुल सीटों का एक तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। सरकार इससे जुड़ा हुआ एक बिल नारी वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक मौजूदा सत्र में ही संसद में पेश कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार इस संशोधन विधेयक को लेकर तमाम राजनीतिक दलों (जिनमें एनडीए से जुड़े हुए और विपक्ष से जुड़े हुए राजनीतिक दल शामिल हैं) के साथ एक आम सहमति बनाने की कोशिश में भी लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक नए विधेयक में मौजूदा लोकसभा सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जा सकता है। इस सबके बीच में हमारे संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के लिए राहत भरी खबर आई है। संघ प्रदेश श्रीडी की दोनों लोकसभा सीटें बरकरार रहने की प्रबल संभावनाएं है। गौरतलब है कि 2019 में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और संघ प्रदेश दमण-दीव का एकीकरण किया गया था। उसी वक्त से लोकसभा सीटों के परिसीमन के समय इस संघ प्रदेश में सिर्फ एक ही सीट रह जाने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में अब तक चल रही है। लेकिन मोदी सरकार महिला आरक्षण विधेयक जब लागू करने जा रही है और लोकसभा की सीटें इसके लिए बढाये जाने की दिशा में कदम बढा चुकी है ऐसे में इस छोटे से संघ प्रदेश सीटें कम करने के कोई संकेत नहीं दिये गये है। महिला आरक्षण लागू होने के बाद दो में से एक सीट महिला के लिए आरक्षित हो सकती है। सूत्रों की माने तो मोदी सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले देश की महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33% आरक्षण का अधिकार देने के लिए नारी वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक मौजूदा सत्र में ही संसद में पेश करने का मन बना लिया है। सरकार महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित करने के लिए दो विधेयक लाने की योजना बना रही है। परिसीमन अधिनियम में संशोधन करके केंद्र सरकार महिलाओं के लिए 273 नई सीटें सृजित करने की योजना बना रही है।

संघ प्रदेश श्रीडी प्रशासन की निवेश संवर्धन परिषद ने 99 उद्योगों के लिए 35.06 करोड रूपये की जारी की सब्सिडी

■ प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग के हाथों लाभार्थी उद्योगों को प्रदान की गई सब्सिडी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मार्च। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन की निवेश संवर्धन परिषद ने निवेश संवर्धन योजना 2022 के अंतर्गत 99 उद्योगों को 35.06 करोड रूपये की सब्सिडी जारी करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है। संघ प्रदेश प्रशासक ने निर्देश दिया कि सब्सिडी दावा एवं वितरण की प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन किया जाए, ताकि पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित हो सके और दादरा नगर हवेली और दमण-दीव औद्योगिक प्रोत्साहन वितरण में राष्ट्रीय आदर्श के रूप में स्थापित हो। निवेश संवर्धन परिषद ने संघ प्रदेश प्रशासन की योजनाओं के प्रति हितधारकों में अधिक जागरूकता फैलाने पर भी बल दिया। इसी के तहत उद्योग विभाग ने 28 मार्च 2026 को लाभार्थी उद्योगों को सब्सिडी जारी करने के लिए एक आधिकारिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस समारोह की अध्यक्षता प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग ने की। इस अवसर पर वित्त सचिव टी. अरुण, उद्योग सचिव एस. असकर अली, दानह जिला कलेक्टर प्रियंक किशोर, वि. सचिव (उद्योग) मराठे ओंकार गोपाल, उद्योग संगठनों के पदाधिकारी, बैंकर्स, केंद्र शासित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी, लाभार्थी उद्योग की उपस्थिति रही। इस दौरान 2025-26 में 99 उद्योगों को 35.06 करोड रूपये की सब्सिडी और 683.51 करोड रूपये आकर्षित निवेश और 8319 रोजगार उत्प्रेरक और 2015 - 2026 तक 512 उद्योगों को 205.04 करोड रूपये का सब्सिडी, 2577.61 करोड रूपये का आकर्षित निवेश और 44776 रोजगार उत्प्रेरक किये गये हैं। जिसमें 21.56 करोड रूपये की पूंजी सब्सिडी, 13.08 करोड रूपये ब्याज सब्सिडी, 1.59 करोड रूपये अन्य प्रोत्साहन घटक, 20 सूक्ष्म इकाईयों को 1.97 करोड रूपये, 55 लघु इकाईयों को 17 करोड रूपये, 22 मध्यम इकाईयों को 14.33 करोड रूपये, 2 बडी इकाईयों को 1.75 करोड रूपये की सब्सिडी प्रदान की गई। 65 प्लास्टिक उद्योग (29 दानह एवं 36 दमण-दीव), 7 वस्त्र उद्योग (6 दानह और 1 दमण-दीव), 27 अन्य में संगमरमर, धातु, फार्मा, खिलौना, फर्नीचर, रबर, केबल एवं तार, पैकेजिंग, मशीनरी एवं उपकरण शामिल हैं। 4 महिला उद्यमी को भी प्रोत्साहित किया गया है जो प्रशासन के समावेश एवं सशक्तिकरण पर ध्यान केन्द्रित करने को परिलक्षित करता है। 25 से अधिक घटकों के साथ शुरू की गई निवेश संवर्धन परिषद -2022 एमएसएमई क्षेत्र को व्यापक प्रोत्साहन, वस्त्र क्षेत्र को उन्नत सब्सिडी तथा चिन्हित थ्रस्ट क्षेत्रों-फर्नीचर, संगमरमर, आईटी एवं आईटीईएस, इलेक्ट्रिक वाहन एवं स्पेयर पार्ट्स, खिलौने, सेमी-कंडक्टर और वैक्सीन विनिर्माण के लिए लक्षित सहायता प्रदान करती है। इसके साथ ही कारीगरों, कुटीर उद्योगों और लघु व्यापारियों के लिए पूंजी एवं ब्याज सब्सिडी की भी व्यवस्था है। 2015 में ऐसी योजनाओं की शुरुआत के बाद से, 413 इकाइयों को 169.97 करोड रूपये (2015-2025) की संचित प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है। नई राशि जारी होने के साथ दानह और दमण-दीव के उद्योग जगत को 200 करोड रूपये से अधिक का प्रत्यक्ष प्रोत्साहन मिला है। यह कार्यक्रम संघ प्रदेश प्रशासन के नए निवेशों को प्रोत्साहित करने, उद्योग एवं उसके विस्तार को सुगम बनाने तथा संघ प्रदेश में व्यापार करने की सुगमता (Ease of Doing Business) को आगे बढाने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है। उद्योगजगत को यह सहायता संघ प्रदेश प्रशासन की उद्योग-अनुकूल यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण है जो संघ प्रदेश को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य बनाने और संघ राज्य क्षेत्र के लोगों के समग्र कल्याण में योगदान देने की दिशा में एक शुभ संकेत है।

संघ प्रदेश श्रीडी के तीनों जिलों में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, घबराने की कोई आवश्यकता नहीं: संघ प्रदेश प्रशासन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/दीव/सिलवासा 29 मार्च। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा प्रदेश के सभी नागरिकों को सूचित किया गया है कि प्रदेश में एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। एलपीजी सिलेंडरों की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रही है। सोशल मीडिया पर एलपीजी की कमी को लेकर फैल रही भ्रामक खबरों एवं अफवाहों के मद्देनज़र आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे घबराएं नहीं और अनावश्यक रूप से अतिरिक्त सिलेंडर बुक न करें। तीनों जिलों के सभी अधिकृत गैस वितरकों ने पुष्टि की है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और नियमित आपूर्ति जारी है। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे ऑनलाइन माध्यम, मोबाइल ऐप या अधिकृत वितरकों के माध्यम से ही गैस बुकिंग करें। होम डिलीवरी सेवा भी सामान्य रूप से जारी है। प्रशासन द्वारा यह भी अपील की जाती है कि नागरिक अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। एलपीजी की कालाबाजारी या जमाखोरी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी नागरिकों से सहयोग बनाए रखने एवं शांति बनाए रखने का अनुरोध है। स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। किसी भी प्रकार की परेशानी की स्थिति में दादरा नगर हवेली के नागरिक हेल्पलाईन नंबर 1077 / 0260-2412500 / 878000107 पर संपर्क कर सकते हैं। दीव के नागरिक हेल्पलाइन नंबर 02875-255023 पर संपर्क कर सकते हैं। एलपीजी आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या या कालाबाजारी/जमाखोरी की सूचना देने हेतु नागरिक हेल्पलाइन नंबर 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

-पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी। इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा...

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी : चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी। यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे

मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

साणंद में सेमीकंडक्टर क्रांति की शुरुआत, 31 मार्च को पीएम मोदी करेंगे ओएसएटी प्लांट का शुभारंभ

■ रु. 3300 करोड़ की लागत वाला केन्स सेमीकॉन प्रोजेक्ट रोजाना 60 लाख चिप्स का उत्पादन करेगा, गुजरात बनेगा नया टेक हब

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मार्च, 2026 को साणंद में केन्स सेमीकॉन की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधा का शुभारंभ करेंगे। भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत इस प्रोजेक्ट को केंद्रीय कैबिनेट ने 23 सितंबर, 2024 को स्वीकृति दी थी। 3300 करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से साणंद में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम और अधिक मजबूत होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास से यह दशक टेक फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास के लिए काफी तेजी से काम हो रहा है। माइक्रोन प्लांट के शुभारंभ के बाद केन्स सेमीकॉन की ओएसएटी सुविधा के शुरू होने से स्थानीय आर्थिक विकास को और गति मिलेगी। ओएसएटी यानी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट प्लांट में चिप की टेस्टिंग और पैकेजिंग करके उसे मार्केट तक पहुंचाने का काम पूरा किया जाता है। एक अनुमान के मुताबिक, 31 मार्च को शुरू होने वाले इस प्लांट में प्रतिदिन 60 लाख चिप्स का उत्पादन होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी, 2016 को माइक्रोन सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रोजेक्ट की गतिशीलता पर जोर देते हुए कहा, ''जून 2023 में इस फैसिलिटी के लिए एमओयू साइन हुआ। सितंबर में शिलान्यास हुआ और आज फरवरी 2026 में कमर्शियल प्रोडक्शन भी शुरू हो गया। दुनिया के विकसित देशों में भी ऐसी मंजूरियों और प्रक्रियाओं में वर्षों निकल जाते हैं, लेकिन भारत ने इस असंभव कार्य को केवल 900 दिनों में पूरा कर दिखाया है। जब नीयत साफ हो और निष्ठा देश के तेज विकास के प्रति हो, तब नीति भी स्पष्ट बनती है और निर्णयों में भी गति आ ही जाती है।'' साणंद के औद्योगिक विकास में बहुत ही छोटी अवधि में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी, केन्स सेमीकॉन के साथ ही सीजी सेमी द्वारा भी यहां प्लांट स्थापित किया जा रहा है। ऑटोमोबाइल हब के रूप में विख्यात साणंद, अब भारत के प्रथम चिप पैकेजिंग क्लस्टर और वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य शृंखला में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। ताइवान के सिंशु शहर और दक्षिण कोरिया के ग्योंगी शहर के समान भारत में साणंद सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कहा, ''हमारा लक्ष्य केवल एक फैक्ट्री स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण इकोसिस्टम बनाना है। भारत अब सेमीकंडक्टर की पूरी वैल्यू चेन पर फोकस कर रहा है, जिसमें डिजाइन इंजीनियर से लेकर मशीन निर्माता और लॉजिस्टिक्स तक के सभी स्तर शामिल हैं। 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' की घोषणा इसी दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, वैसे-वैसे भारत में ही मटेरियल और कंपोनेंट्स की मांग बढ़ेगी, जो स्थानीय उद्योगों के लिए सबसे बड़ा अवसर बनेगी।'' भारत अब इस वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का बहुत ही अहम हिस्सा बन रहा है। उन्होंने आगे कहा कि कोविड के मुश्किल दौर में बोए गए बीज आज वटवृक्ष बनकर फल दे रहे हैं और अब तक सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के अंतर्गत 10 बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है, जिसमें चार प्रोजेक्ट गुजरात में हैं।

दीव-मुंबई इंडिगो फ्लाइट सेवा का हुआ शुभारंभ: 59 मुसाफिरों के साथ फ्लाइट ने भरी पहली उडान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 29 मार्च। दीव में आज से दीव-मुंबई इंडिगो फ्लाइटसेवा का विधिवत शुभारंभ हुआ। इंडिगो की फ्लाइट ने आज दीव से 59 मुसाफिरों के साथ पहली उडान भरी। दीव से मुंबई और मुंबई से दीव इंडिगो फ्लाइट सेवा शुरु होने से दीव के नागरिकों सहित पर्यटकों में खुशी का माहौल है। दीव से मुंबई का इंडिगो फ्लाइट का किराया 6000 से 7000 रूपये रखा गया है। फ्लाइट के शुभारंभ अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर के.जी. बीजू तथा स्टाफ की उपस्थिति रही। प्रत्येक मुसाफिरों का पुष्प के साथ स्वागत किया गया। इसके पहले भी दीव से मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, गोवा जैसे शहरों के लिए फ्लाइट सेवा शुरु है।

'विकसित गुजरात' की ओर बड़ा कदम : राजकोट में 751 करोड़ के कार्यों का शुभारंभ

■ पीएम आवास योजना के तहत 1000 से ज्यादा परिवारों को घर, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शहर की दिशा में पहल

राजकोट (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को राजकोट में महानगर पालिका के 751.20 करोड़ रुपए के 45 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 119.05 करोड़ रुपए के खर्च से नवनिर्मित ईडब्ल्यूएस-2 प्रकार के आवासों का लोकार्पण करके मुख्यमंत्री ने 1010 परिवारों को आधुनिक सुविधा युक्त 'अपने घर' की भेंट दी है। इसके साथ ही, 9.78 करोड़ रुपए के खर्च से निर्मित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और नए व्हीकल टेस्ट ट्रैक का भी लोकार्पण किया गया। राजकोट में प्रमुख स्वामी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि 'ईज ऑफ लिविंग' और 'अर्न वेल, लिव वेल' की मंशा के साथ आगे बढ़ रहे राजकोट को आज 751.20 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट मिली है। गुजरात राज्य का विकास मॉडल और विकास कार्यों के लिए गुजरात का वित्तीय प्रबंधन देश भर में अव्वल स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि नागरिकों के कल्याण के लिए जरूरी एक भी विकास कार्य बाकी नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार योजनाबद्ध विकास कार्यों को कभी नामंजूर नहीं करती, बल्कि ऐसे कार्यों की योजना को तत्काल मंजूरी दी जाती है। इस अवसर पर उन्होंने निर्माणाधीन विकास कार्यों में गुणवत्ता को बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 2047 तक विकसित बनाने का संकल्प दिया है, तब 'विकसित भारत' के लिए देश के आम नागरिक को मुख्यधारा में शामिल करना आवश्यक है, और इसके लिए ही राज्य में 'वाइब्रेंट गुजरात समिट' को रीजनल यानी क्षेत्रीय स्तर पर ले जाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बतौर सरकार के मुखिया अपने शासनकाल के 8931 दिन पूरे करने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि के तौर पर नरेन्द्र मोदी की यात्रा की शुरुआत राजकोट से हुई थी और राजकोट से शुरू हुआ यह रिकॉर्ड आज लगातार आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी के कल्याण के मंत्र के साथ कार्यरत नरेन्द्र मोदी गरीबों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाए हैं। आज पेट्रोल में एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए से घटाकर 3 रुपए और डीजल में एक्साइज ड्यूटी को शून्य कर दिया गया है। जब कभी दुनिया में संकट पैदा हुआ है, तब नरेन्द्र मोदी ने हिम्मतपूर्वक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि देश के प्रत्येक गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार के पास 'अपना घर' हो। गुजरात सरकार इस सपने को साकार करने के लिए दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ रही है। आज राजकोट में आवास योजना के जरिए एक हजार से अधिक परिवारों को उनके सपनों का घर मिल रहा है। इस अवसर पर राजकोट जिला प्रभारी मंत्री जीतू वाघाणी ने आज के कार्यक्रम को जनकल्याण का ऐतिहासिक अवसर करार देते हुए कहा कि राजकोट महानगर पालिका द्वारा पिछले 15 दिनों में ही 1100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है, जो एक रिकॉर्ड है। हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा विधानसभा में पेश किए गए और बहुमत से पारित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक के संबंध में वाघाणी ने कहा कि यूसीसी विधेयक मुख्यमंत्री का 'दिल' है। गुजरात समूचे देश में यह विधेयक लाने वाला दूसरा राज्य है। इसके साथ ही, उन्होंने यह आश्वासन दिया कि गुजरात सरकार जनता के हित के लिए जरूरी सभी निर्णय करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र से विकास की धारा गुजरात भर में प्रवाहित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में अविरत विकास यात्रा के परिणामस्वरूप हुआ परिवर्तन दिखाई दे रहा है। राजकोट महानगर पालिका के निरंतर प्रयासों के चलते आज राजकोट के हर कोने का विकास हुआ है। शहरी विकास राज्य मंत्री दर्शना वाघेला ने कहा कि आज राजकोट में शहरी विकास विभाग के 543 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और 207 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने इसके लिए नागरिकों को बधाई दी। दर्शना वाघेला ने कहा कि उत्सवप्रिय और रंगीला राजकोट अब विकास कार्यों में भी आगे बढ़ रहा है। ड्रेनेज, पानी और सड़कों के विकास कार्यों से आगे बढ़कर राज्य सरकार ने गरीबों की वेदना को समझते हुए आवासों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए लगातार तत्पर रहेगी और आगामी दिनों में राजकोट विकास के मामले में मॉडल सिटी बनेगा। इस अवसर पर सांसद परशोत्तम रूपाला ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात का सर्वांगीण विकास हुआ है। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वाइब्रेंट गुजरात समिट की ऐतिहासिक शुरुआत हुई थी। इसे आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दिशा-निर्देश में यह वाइब्रेंट समिट अब क्षेत्रीय स्तर पर पहुंच गई है। यह गर्व की बात है कि राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन हुआ और इसे सफलता मिली। राजकोट महानगर पालिका आयुक्त तुषार सुमेरा ने कहा कि राजकोट महानगर में पिछले एक महीने में ही 1100 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। नल, सड़क विकास, सीवर और आवास सहित चारों क्षेत्रों में सेचुरेशन की बुनियाद रखी गई है। आज इस अवसर पर 161 करोड़ रुपए के सड़कों के कार्य तथा सौराष्ट्र के सबसे बड़े वाटर फिल्टर प्लांट का भी शिलान्यास किया गया है। कार्यक्रम के अंत में मनपा उपायुक्त महेश जानी ने आभार व्यक्त किया।

हॉर्मोज़ एवं दमण का इतिहासिक संबंध

तूफ़ान, रणनीति और संप्रभुता की कहानी: होर्मुज़ से दमण तक

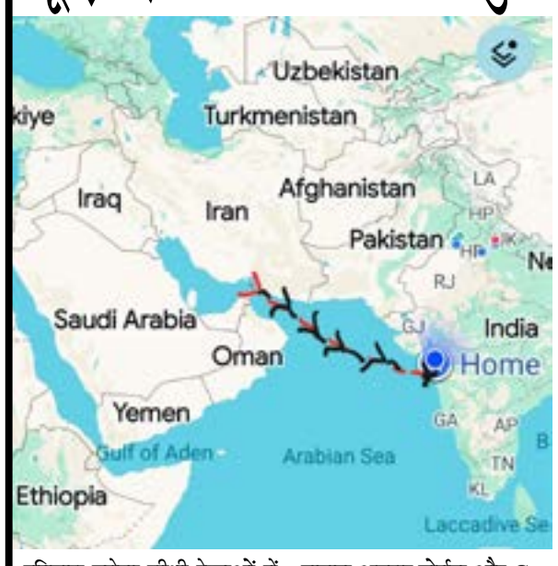

इतिहास हमेशा सीधी रेखाओं में नहीं चलता, बल्कि धाराओं की तरह बहता है–कभी उद्देश्यपूर्ण, तो कभी संयोगवश। Hormuz और Daman से जुड़ी यह कहानी भी ऐसी ही है, जहाँ संयोग की हवाएँ और साम्राज्य की इच्छाशक्ति एक साथ आगे बढ़ती हैं।

सोलहवीं सदी की शुरुआत में पुर्तगालियों ने पूर्वी दुनिया के नक्शे को बदलना शुरू कर दिया था। उन्होंने 1515 में दूरदर्शी नेता Afonso de Albuquerque के नेतृत्व में होर्मुज़ पर कब्ज़ा कर लिया। यह कोई साधारण विजय नहीं थी। होर्मुज़ फारस की खाड़ी के प्रवेश द्वार पर स्थित था, जो महाद्वीपों को जोड़ने वाला मार्ग था–भारत, फारस और अरब की संपत्ति यहाँ से होकर यूरोप तक पहुँचती थी। होर्मुज़ पर अधिकार केवल भूमि पर नियंत्रण नहीं था, बल्कि यह व्यापार, आवागमन और शक्ति पर नियंत्रण था। 1622 तक यह पुर्तगालियों की सबसे मूल्यवान संपत्तियों में से एक रहा।

इसी मजबूत आधार पर पुर्तगाली जहाज़ अक्सर होर्मुज़ और Goa के बीच यात्रा करते थे, जो 1510 में उनके भारतीय साम्राज्य का प्रशासनिक केंद्र बन चुका था। ये यात्राएँ सामान्य नहीं थीं, बल्कि व्यापार की धारा थीं–मसाले, वस्त्र, बहुमूल्य वस्तुएँ और साम्राज्य की महत्वाकांक्षाएँ अरब सागर के पार ले जाई जाती थीं।

इन्हीं यात्राओं में से एक में इतिहास–या शायद परंपरा–एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण क्षण को दर्ज करता है।

लगभग 1523 में, जैसा कि स्थानीय इतिहास में कहा जाता है, Diogo de Melo के नेतृत्व में एक पुर्तगाली जहाज़ गोवा से होर्मुज़ की ओर जा रहा था। लेकिन समुद्र की अपनी योजना थी। एक भयंकर तूफ़ान आया जिसने जहाज़ को मार्ग से भटका दिया। लहरों के प्रकोप को सहन न कर पाने के कारण जहाज़ पश्चिमी तट की ओर बहता हुआ अंततः Damanganga River के किनारे पहुँच गया।

वहीं, जिसे आज दमन कहा जाता है, जहाज़ ने अस्थायी शरण ली।

इस घटना को अक्सर दमन की ''आकस्मिक खोज'' या ''प्रथम आगमन'' कहा जाता है–एक ऐसी खोज जो योजना से नहीं बल्कि संयोग से हुई। फिर भी, इतिहास हमें सावधान रहने के लिए कहता है। यह कहानी जितनी सुंदर और प्रचलित है, उतनी ही प्रमाणिक अभिलेखों में कमजोर है। 1523 का वर्ष और डियोगो डी मेलो का आगमन संभव तो है, पर प्रमाणित नहीं है। फिर भी, इस कहानी के पारंपरिक होने के बावजूद एक सच्चाई स्पष्ट है–पुर्तगाली जहाज़ इन समुद्री मार्गों पर लगातार चल रहे थे और ऐसे आकस्मिक संपर्क संभव थे। लेकिन साम्राज्य केवल संयोग से नहीं बनते।

अगले दशकों में पुर्तगालियों ने भारत के पश्चिमी तट पर अपना प्रभाव बढ़ाया। 1535 में उन्होंने Diu पर कब्ज़ा किया और समुद्री व्यापार मार्गों पर अपना नियंत्रण मजबूत किया। उन्होंने होर्मुज़ और गोवा को जोड़ते हुए हिंद महासागर पर एक रणनीतिक नियंत्रण स्थापित किया।

इस विस्तृत दृष्टि में दमन अब केवल एक आकस्मिक तट नहीं रहा, बल्कि एक आवश्यक कड़ी बन गया।

1559 में निर्णायक मोड़ आया, जब Dom Constantino de Bragança के नेतृत्व में पुर्तगालियों ने सैन्य अभियान चलाया। उन्होंने गुजरात के सुल्तान से दमन पर कब्ज़ा कर लिया और इसे पुर्तगाली साम्राज्य का आधिकारिक हिस्सा बना दिया।

यह कार्य भटके हुए जहाज़ों से नहीं, बल्कि रणनीति और राजनीतिक इच्छाशक्ति से हुआ। इस प्रकार, होर्मुज़ से दमन तक की यात्रा एक बहुआयामी कहानी है–

होर्मुज़ वैश्विक व्यापार पर नियंत्रण का प्रतीक है

दमन के पास तूफ़ान से पहुँचना संयोग और खोज का प्रतीक है

1559 में दमन का अधिग्रहण निर्णय और शक्ति का प्रतीक है

यह सब मिलकर एक निरंतरता बनाते हैं–जहाँ संयोग रास्ता दिखाता है, पर महत्वाकांक्षा उसे अपना बनाती है।

''समुद्र किसी व्यक्ति को वहाँ पहुँचा सकता है जहाँ वह जाना नहीं चाहता था,

लेकिन वह कहाँ लौटेगा, यह

डॉ. सेठी के.सी.
लेखक,
सेथियन दर्शन के प्रवर्तक
दमण, भारत
ऑकलैंड, न्यूज़ीलैंड

उसकी इच्छा तय करती है।''

पुर्तगाली शायद पहली बार दमन को तूफ़ान के कारण देख पाए हों, लेकिन वे निश्चित रूप से वहाँ उद्देश्य, शक्ति और अधिकार के साथ लौटे।

अंततः, होर्मुज़ और दमन का संबंध केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और दार्शनिक है। यह हमें सिखाता है कि इतिहास भले ही अनिश्चितता से शुरू हो, लेकिन अंततः उसे स्पष्ट उद्देश्य और निरंतर प्रयास ही आकार देते हैं।

सूरत मेट्रो ने पार किया बड़ा मील का पत्थर, ट्रायल रन शुरू

सूरत (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विज़न को साकार करने और शहरी परिवहन को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से सूरत मेट्रो रेल परियोजना का कार्य तेज़ी से प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार इस परियोजना को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। गुजरात मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अनुसार ड्रीम सिटी से अलथाण टेनामेंट स्टेशन के बीच 8.5 किलोमीटर लंबे वायाडक्ट का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस निर्धारित रूट पर आज से मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है, जिसके तहत लगभग 500 घंटे तक ट्रेन का संचालन परीक्षण किया जाएगा। ट्रायल रूट पर रेलवे ट्रैक बिछाने का कार्य तथा ट्रैक्शन पावर के लिए 'थर्ड रेल' का काम भी पूर्ण हो चुका है। इस रूट पर आने वाले कुल 7 स्टेशन भवनों का स्ट्रक्चर कार्य पूरा हो गया है और वर्तमान में एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स तथा फिनिशिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि मेट्रो की सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) और मेट्रो रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। इस तकनीकी जांच और वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद मेट्रो सेवाएं आम जनता के लिए शुरू की जाएंगी।

CHANGE OF NAME

OLD NAME: TANDEL ABHAY SUDHIR
NEW NAME: ABHAY SUDHIRKUMAR TANDEL
ADD.: 14-182/A/G-4, KODRAWALA HOUSING SOCIETY, BEHIND SAGAR PETROL PUMP, KATHIRIA, NANI DAMAN, DAMAN – 396210.

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की ह्यकाली भेड़ोंह्ण ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्ण राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्लआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्व वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्लऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्लधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्व जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युदु,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में हमले की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पुलिस और एफबीआई ने मिलकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता के घर पर पेट्रोल बम से हमला करने की योजना बना रहा था। आरोपी कई हफ्तों से इस हमले की तैयारी कर रहा था और उसने बम बनाने का सामान भी इकट्ठा कर लिया था। गुप्त ऑपरेशन के जरिए पुलिस को इसकी जानकारी मिली और उसे पकड़ लिया गया। जिस महिला को निशाना बनाया गया था, उन्होंने कहा कि यह घटना डराने वाली है, लेकिन उन्हें राहत है कि समय रहते कार्रवाई हो गई।

अमेरिका में स्कूल बस हादसा, 2 छात्रों की मौत

टेनेसी, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूल बस की टक्कर में दो छात्रों की मौत हो गई और कम से कम सात लोग घायल हो गए। यह हादसा हाईवे 70 पर हुआ, जहां एक डंप ट्रक, एक कार और स्कूल बस आपस में टकरा गए। बस में कुल 25 छात्र और 5 वयस्क मौजूद थे, जो केनवुड मिडिल स्कूल से एक शैक्षणिक यात्रा पर जा रहे थे। हादसे के बाद कई घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। चार बच्चों का इलाज नैशविले के एक अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मिसिसिपी में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची 23 वर्षीय महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है। ट्रेन में सवार किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे कंपनी के बयान के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब कैनेडियन पैसिफिक कंसास सिटी की एक मालगाड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर एक वाहन से टकरा गई। हादसा उत्तर-पश्चिम में स्थित विगिंस शहर के पास हुआ। मृतकों में वैन चालक 26 वर्षीय रयान सी. पीटरसन और आगे की सीट पर बैठीं 45 वर्षीय क्रिस्टिना कार्वर शामिल हैं। कार्वर की दो बेटियों (22 वर्षीय एमली चैंबली और 20 वर्षीय सारा बेथ चैंबली) की भी इस हादसे में मौत हो गई। इसके अलावा 23 वर्षीय डेमार्कस पर्किन्स की भी जान गई।

जिल बाइडन के सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चली

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अमेरिका में फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चल गई, जिससे वह खुद घायल हो गया। यह एजेंट पूर्व फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन की सुरक्षा में तैनात था। घटना उस समय हुई जब वह अपनी कार में था और अचानक उसकी बंदूक चल गई। गोली उसके पैर में लगी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार उसकी हालत स्थिर है। इस घटना से एयरपोर्ट के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा।

चिली के स्कूल में चाकूबाजी, एक की मौत

कालामा, एजेंसी। चिली के एक स्कूल में शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। यह हमला उत्तरी शहर कालामा के एक स्कूल में हुआ। पुलिस के मुताबिक एक छात्र ने तीन छात्रों और दो स्टाफ पर हमला किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इस हमले में एक 59 साल के स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल खाली करा लिया गया और कक्षाएं रद्द कर दी गईं। अधिकारी इसे गंभीर घटना मान रहे हैं और जांच कर रहे हैं कि यह हमला पहले से योजना बनाकर किया गया था या नहीं।

बेलारूस के राष्ट्रपति ने किम जोंग को तोहफे में दी राइफल

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मैत्री संधि पर ही दस्तखत नहीं किए, बल्कि उन्हें एक राइफल भी तोहफे में दी। बेलारूसी सरकारी समाचार बेलटा के मुताबिक, यूक्रेन के खिलाफ रूसी जंग की वकालत करने वाले दोनों नेता संधि के तहत पश्चिमी दबाव का विरोध करने और अधिक निकटता से सहयोग करने पर रजामंद हुए हैं। लुकाशेंको ने इस मैत्री संधि को बेहद अहम बताया, जबकि किम ने इसे द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास की और अधिक गारंटी देने वाली करार दिया।

स्पेन में पिता से कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु मिली

रेप के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी, तीन साल से व्हीलचेयर पर थी

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्तिलो ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु के जरिए गुरुवार को अपना जीवन खत्म कर लिया। नोएलिया को इच्छामृत्यु के लिए अपने पिता से भी कानूनी लड़ाई लड़ना पड़ी क्योंकि वे इसके विरोध में थे। बार्सिलोना की रहने वाली नोएलिया का 2022 में एक फैसिलिटी सेंटर में 3 युवकों ने रेप किया था। इसके बाद नोएलिया ने आत्महत्या की कोशिश की और पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि वह इस घटना में बच गई, लेकिन उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी, जिसके कारण वह कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गईं। इसके बाद से वह लगातार शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव से जूझ रही थीं। नोएलिया ने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया था, जिसे कैटेलोनिया सरकार ने मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन आखिरी समय में उसके पिता ने अदालत में आपत्ति दर्ज कराई और प्रक्रिया रुकवा दी थी।

फोस्टर होम में कई बार यौन शोषण हुआ : नोएलिया बचपन में अपने माता-पिता के साथ ठीक से नहीं रह पा रही थीं। उसे मानसिक दिक्कतें थी और उनके माता-पिता का तलाक भी हो गया था। परिवार में समस्याएं होने की वजह से सरकार ने उन्हें 13 साल की उम्र में एक देखभाल केंद्र (फोस्टर होम) में रख दिया, ताकि उनकी देखभाल हो सके। इसके बाद वह उसी देखभाल केंद्र में रहने लगीं, जहां उन्होंने कई बार दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां उनके साथ कई बार यौन शोषण हुआ और आखिरी बार 2022 में तीन लड़कों ने उनके साथ गैंगरेप किया।

इच्छामृत्यु की इजाजत मिली, पिता ने विरोध किया : रेप की घटना के बाद नोएलिया की मानसिक हालत और बिगड़ गई। इससे परेशान होकर उसने पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी, लेकिन वह बच गई। इस कोशिश के बाद वह हमेशा दर्द में रहने लगीं और व्हीलचेयर पर आ गईं। करीब 18 महीने बाद उन्होंने 2021 में लागू हुए स्पेन के इच्छामृत्यु कानून के तहत अपनी जिंदगी खत्म करने की अनुमति हासिल की। लेकिन इच्छामृत्यु पाने की उनकी कोशिश का उनके पिता और एक अल्ट्रा कंसरवेटिव ग्रुप 'क्रिश्चियन लॉयर्स' ने विरोध किया। उनका कहना था कि नोएलिया की मानसिक हालत ऐसी नहीं है कि वह अपनी जिंदगी खत्म करने का सही फैसला ले सकें।

डेढ़ साल तक अदालत में चलता रहा केस : नोएलिया की इच्छामृत्यु का मामला कोर्ट में चला गया और कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। करीब डेढ़ साल तक यह केस अलग-अलग अदालतों में चलता रहा। इस दौरान डॉक्टरों और मेडिकल विशेषज्ञों ने भी अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि नोएलिया की हालत बेहद गंभीर है, उन्हें लगातार तेज दर्द रहता है और उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम है। सरकार से जुड़ी एजेंसी ने भी उनकी मांग को सही माना और इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। इसके बावजूद उनके पिता ने फैसले को चुनौती दी, जिससे मामला आगे बढ़ता गया। आखिरकार यह मामला यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय तक पहुंचा। वहां यह देखा गया कि क्या नोएलिया मानसिक रूप से अपने फैसले लेने में सक्षम हैं, क्या उन पर किसी तरह का दबाव है और क्या उनकी मांग कानून के तहत सही है। अदालत ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह माना कि नोएलिया को अपने जीवन के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। इस फैसले के बाद उनकी इच्छामृत्यु का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया और तय प्रक्रिया के तहत इसे अंजाम दिया गया।

पिता का तर्क- बेटी मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं : नोएलिया की इच्छानुसार उन्हें 'असिस्टेड डेथ' दी गई। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया में तीन इंजेक्शन दिए गए। पहले दो से गहरी बेहोशी लाई गई और तीसरे इंजेक्शन से दिल की धड़कन रुक गई। नोएलिया ने कहा था कि वह अपनी मौत के समय अकेली रहना चाहती हैं और नहीं चाहती थीं कि कोई उन्हें अंतिम समय में देखे।

3 साल में 1,123 लोगों को इच्छामृत्यु : स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 (जब यह कानून लागू हुआ) से लेकर 2024 के अंत तक 1,123 लोगों ने असिस्टेड डेथ ली है। नोएलिया का मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पहली बार किसी व्यक्ति के इच्छामृत्यु के अधिकार को लेकर इतनी लंबी और बड़ी कानूनी लड़ाई देखने को मिली। मौत से कुछ दिन पहले रिकॉर्ड किए गए एक टीवी इंटरव्यू में नोएलिया ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह उसका अपना फैसला है। स्पेन में इच्छामृत्यु का अधिकार केवल उन वयस्क लोगों को दिया जाता है, जो 'गंभीर और लाइलाज बीमारी' या 'गंभीर, पुरानी और अक्षम करने वाली स्थिति' से जूझ रहे हों। इसके साथ यह भी जरूरी है।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्राइल: हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

क्या यमन के हूती अब युद्ध में उतर आए हैं : हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है।

कैसे चारो तरफ से घिरा इस्राइल : इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

क्या ईरान ने भी जवाबी हमला तेज कर दिया है : इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। सऊदी अरब के एक सैन्य बेस पर ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हुए और कई विमान क्षतिग्रस्त हुए। इससे यह संघर्ष अब और ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रूप लेता दिख रहा है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ने से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है। पहले ही हूती विद्रोहियों ने कई जहाजों को निशाना बनाया है। होर्मुज से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। क्यों यहां से कंट्रोल होता है ट्रैफिक? पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। रसायनिक गंध की वजह क्या थी? फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। क्या पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना? यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं। उस समय जांच में पता चला था।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं।'

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता।' उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

ट्रंप ने नाटो को 'कागजी शेर' कहा, सहयोगियों पर सवाल उठाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की कड़ी आलोचना करते हुए उसे 'कागजी शेर' बताया और सवाल उठाया कि क्या वाशिंगटन को उन सहयोगियों का बचाव जारी रखना चाहिए, जो उनके अनुसार जरूरत के समय अमेरिका का समर्थन करने में विफल रहे। मियामी में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव प्रायोरिटी समिट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब गठबंधन ने उसका साथ नहीं दिया। ट्रंप ने गठबंधन के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, 'अगर वे हमारे लिए मौजूद नहीं हैं, तो हम उनके लिए क्यों मौजूद रहेंगे?' उन्होंने नाटो की प्रतिक्रिया को 'एक बहुत बड़ी गलती' बताया। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि समर्थन की पेशकश सैन्य कार्रवाई समाप्त होने के बाद ही आई। उन्होंने मैक्रों के हवाले से कहा, 'युद्ध खत्म होते ही हम जहाज भेजेंगे।' ट्रंप ने आगे कहा, 'मुझे युद्ध खत्म होने के बाद उनकी जरूरत नहीं है।' ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया की भी आलोचना करते हुए कहा कि विमानवाहक पोत कई हफ्तों बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे। ट्रंप ने देरी से मिल रहे समर्थन का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'जब युद्ध खत्म हो जाएगा, तब हम वहां मौजूद होंगे।' राष्ट्रपति ने जर्मनी की आलोचना करते हुए उनके नेतृत्व के इस बयान का जिक्र किया कि यह संघर्ष उनकी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा युद्ध नहीं है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है,' इस टिप्पणी का क्रेडिट जर्मनी के चांसलर को दिया। ट्रंप ने कहा कि समर्थन की कमी ने नाटो के बारे में उनके पुराने विचार को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि नाटो एक कागजी शेर है, हम नाटो की मदद करते हैं, लेकिन वे हमारी कभी मदद नहीं करेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'इससे अमेरिका को बहुत पैसा मिलेगा, क्योंकि हम नाटो पर हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं।' यह संकेत देते हुए कि भविष्य में अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कई मध्य पूर्वी देशों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे नाटो सदस्यों की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा, 'वे नाटो से भी अधिक मजबूती से खड़े रहे,' और यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन को 'उन देशों से जबरदस्त समर्थन मिला जो नाटो क्षेत्र में नहीं थे।

श्रीलंका के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पर 7.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला पर 7.5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भारी जुर्माना लगाया। उन पर 2022 में भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत एक गैर-पंजीकृत कंपनी से घटिया दवाएं आयात कर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का दोष सिद्ध हुआ है। अदालत ने अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों पर भी पांच-पांच करोड़ का जुर्माना लगाया। यह मामला श्रीलंका के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य घोटाले के रूप में देखा जा रहा है।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू : इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा : 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है। सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत करना, लेकिन अब फोन सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।' सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध धीरे-धीरे लागू किया जाएगा, ताकि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुरूप आएं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांगें दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही हैं। इसका उदाहरण ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक कानून है, जो पिछले साल लागू हुआ। हाल ही में इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया।

नेपाल में बड़ा राजनीतिक उलटफेर : पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में आज उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन की गई है, जिससे देश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही जवाबदेही का नया दौर शुरू होता दिख रहा है। भक्तपुर स्थित आवास से हुई गिरफ्तारी शनिवार सुबह तड़के नेपाल पुलिस की एक विशेष टीम ने भक्तपुर के गुंडु स्थित केपी ओली के घर पर छापेमारी की और उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी कड़ी में पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

जेन-जेड प्रोटेस्ट और 77 मौतों का मामला : यह पूरी कार्रवाई पिछले साल हुए 'जेन-जेड' (युवा पीढ़ी) के हिंसक प्रदर्शनों की जांच के आधार पर की गई है। गंभीर लापरवाही: पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली सरकार पर 'गंभीर लापरवाही' बरतने का आरोप लगाया है। जान-माल का नुकसान: इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 77 लोगों की जान चली गई थी और देश की अरबों रुपये की संपत्ति खाक हो गई थी। इंटेलिजेंस की अनदेखी: रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को संभावित हिंसा की चेतावनी पहले ही मिल चुकी थी।

प्रधानमंत्री बालेन शाह का बड़ा एक्शन : प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के तुरंत बाद बालेन शाह ने एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जांच आयोग की रिपोर्ट को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया गया।

आरोप: केपी ओली पर आरोप है कि जब देश जल रहा था, तब वे जिम्मेदारी निभाने के बजाय काठमांडू छोड़कर भाग गए थे। अब उन पर केस चलाया जाएगा, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

देशभर में हाई अलर्ट : ओली की गिरफ्तारी के बाद काठमांडू घाटी समेत पूरे नेपाल में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। काठमांडू की सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात है ताकि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या हिंसा को रोका जा सके। गृह मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में कई अन्य बड़े अधिकारियों और नेताओं की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

ओली को मेडिकल जांच के बाद बटालियन में शिफ्ट किया जाएगा : ओली और रमेश लेखक को पुलिस जल्द ही आर्म्ड पुलिस फोर्स की महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में शिफ्ट करेगी। दोनों नेताओं को गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल जांच पूरी होते ही दोनों को बटालियन में रखने की व्यवस्था कर ली गई है। यह कदम जारी कस्टडी प्रक्रिया के तहत उठाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में दोनों नेताओं को रखने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

गिरफ्तारी से पहले बालेन की अध्यक्षता में बैठक हुई : इस मामले की जांच एक आयोग ने की थी, जिसकी अगुआई पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की ने की। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रदर्शन के दौरान हालात को संभालने में गंभीर लापरवाही हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पहले से मिली चेतावनी (इंटेलिजेंस) के बावजूद सही कदम नहीं उठाए, जिससे हालात बिगड़ गए और कई लोगों की जान चली गई। गिरफ्तारी से पहले प्रधानमंत्री बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया गया था।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

मियामी (एजेंसी)। बेलारुस की स्टार खिलाड़ी आर्यंका सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिबाब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ , किम क्लीजिस्टस और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ़ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्लयूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी

इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरह मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए , गाल की हड्डी टूटी

लंदन । इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी। अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 卐यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते। 'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।卐 डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

सुजुका । मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्र1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहेंगे।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन । स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा। सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

-विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएट) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हैं।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डाआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरू की तुम्बाड 2 की शूटिंग

सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई की एक खास जगह पर साथ देखा गया। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए साथ आए है। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जानिए, फिल्म में नवाजुद्दीन किस तरह का किरदार करेंगे और कहां पर इसकी शूटिंग हो रही है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई के मड आइलैंड में देखा गया। इस दौरान अपने फिल्म क्रू के साथ दिखाई दिए। सोहम शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत करते थे। यह दोनों फिल्म 'तुम्बाड 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। बता दें कि 2018 में रिलीज हुई हॉरर, थ्रिलर फिल्म 'तुम्बाड़' का यह सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नवाजुद्दीन के किरदार की जहां तक बात है तो उनके किरदार का नाम पांडुरंग होगा। फिल्म भी इमोशनल और साइकोलॉजिकल है। इसमें नवाज के किरदार में कई परतें होंगी। कहानी को लेकर भी मेकर्स का कहना है कि यह पिछली फिल्म से ज्यादा डरावनी होगी। 'तुम्बाड' की बात करें तो साल 2018 में रिलीज हुई इस डार्क फैंटेसी-हॉरर फिल्म में लालच के दुष्परिणामों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी 20वीं सदी की शुरुआत के एक छोटे से गांव तुम्बाड में सेट है। इसमें मुख्य भूमिका में विनायक राव और 'हस्तर' नाम का एक श्रापित देवता है। फिल्म काफी डरावनी थी और दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में हुई कमल हासन की एंट्री

'कल्कि 2' की शूटिंग को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर जानकारी आ रही है। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' की शूटिंग पूरी की है। 'कल्कि 2' में एक और अभिनेता की एंट्री होने की जानकारी सामने आई है, जो साउथ से हैं।

हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं और कमल हासन के साथ गले लगते हुए भी दिख रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार 1985 में फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ काम किया था। बिग बी ने 40 साल बाद फिर से कमल के साथ काम करने की उन्होंने खुशी जताई।

साउथ अभिनेता की हुई एंट्री

123 तेलुगु की खबर के अनुसार, दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती भी 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। यह दोनों इन दिनों हैदराबाद में 'कल्कि 2' की शूटिंग कर रहे हैं। प्रभास बाद में इस शूटिंग में जुड़ेंगे। निर्माता जल्द ही 'कल्कि 2' को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

'कल्कि 2' के बारे में

'कल्कि 2' का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित पौराणिक साइंस फिक्शन पर आधारित है। पहले भाग में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी ने काम किया था। यह 'कल्कि' सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत थी, जो 2898 ईस्वी में काशी शहर की कहानी बताती है।

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

लुक्स को लेकर ट्रोल हुईं अलाया

हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।'

मालिश का है कमाल

अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।'

अलाया एफ का करियर

अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।' अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते

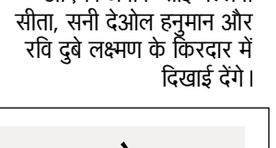

हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है। जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते। रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

मेरे और श्रुति के बीच कोई खटास नहीं

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। अब इस पूरे मामले पर अदिवी शेष ने खुलकर बात की है।

श्रुति हासन के फिल्म छोड़ने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो यह काम करने के तरीके का फर्क था। हर एक्टर का अपना वर्किंग स्टाइल होता है और कभी कभी वह आपस में मैच नहीं करता। अगर क्लैश हो जाए तो काम करने में मजा नहीं आता और उसका असर फिल्म के फाइनल आउटपुट पर भी दिख सकता है।'

श्रुति के पास तब कई बड़ी फिल्में थीं

वह आगे बताते हैं, 'मेरा शूटिंग स्टाइल थोड़ा स्लो है। मैं जल्दी जल्दी शूट नहीं करता, बल्कि समय लेकर काम करना पसंद करता हूं। वहीं श्रुति के पास उस वक्त बड़ी फिल्मों की डेट्स थीं, जिनमें रजनीकांत सर की फिल्म भी शामिल थी। ऐसे में उनके लिए हमारी फिल्म को उतना समय देना मुश्किल हो रहा था। मुझे लगा कि मैं उन्हें ज्यादा परेशानी में डाल रहा हूं और अगर मैं अपने वर्किंग पैटर्न में बदलाव करता तो फिल्म पर असर पड़ता। इसलिए हमने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। सब कुछ अच्छे नोट पर हुआ, कोई विवाद नहीं था। मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विश करता हूं।'

एक्ट्रेस के जाने से डर नहीं लगता, काम पर भरोसा है

एक्ट्रेस के अचानक बाहर होने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'मैं इस मामले में ज्यादा घबराता नहीं हूं। मेरे लिए फिल्म से ज्यादा अहम वह कला है जिसके पीछे हम काम कर रहे हैं। अगर हम ईमानदारी से मेहनत करें और अपने काम के साथ न्याय करें, तो बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं।'

मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

अनुराग कश्यप के साथ बेहतरीन रहा अनुभव

अनुराग कश्यप के साथ काम करने के अनुभव पर अदिवी शेष कहते हैं, 'हमें एक बहुत अच्छा एक्टर और शानदार क्राफ्ट्समैन मिला। साथ ही ऐसा लगा जैसे इंडिया के बेस्ट डायलॉग राइटर हमें बोनस में मिल गए। उनकी हिंदी बहुत अच्छी है और उन्होंने जिस सादगी के साथ काम किया, वो कमाल का था। जब हम स्क्रीन पर उन्हें देखते हैं तो वो काफी सख्त और रिबेल लगते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वो बहुत ही सिंपल इंसान हैं। जब मैं पहली बार उनके घर गया और कहानी डिस्कस की, तो मैं सरप्राइज हो गया।'

डीएमसी ने मौजूदा वैश्विक संकट के मद्देनजर नागरिकों को जागरूक करने के लिए दमण टैक्सी स्टैंड पर किया जागरूकता कार्यक्रम

■ नागरिकों को पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन अपनाने के लिए किया प्रोत्साहित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मार्च। दमण म्युनिसिपल काउंसिल द्वारा वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जनजागरूकता फैलाने और नागरिकों को जागरूक करने के लिए नानी दमण के टैक्सी स्टैंड पर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान नागरिकों को बताया गया कि इजराइल, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्थिति की अवधि और परिणाम अनिश्चित हैं। ऐसी परिस्थितियों में नागरिकों के लिए सतर्क रहना और संभावित चुनौतियों के लिए तैयार रहना अत्यंत आवश्यक है। डीएमसी की ओर से बताया गया कि भारत सरकार सभी नागरिकों की सुरक्षा, स्थिरता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर रही है और उचित कदम उठा रही है। जागरूकता अभियान के अंतर्गत निवासियों को पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एलपीजी सिलेंडर जैसी व्यवस्था में कभी-कभी बुकिंग के बाद देरी, आपूर्ति की अनिश्चितता या डिलीवरी से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं, जबकि पीएनजी निरंतर, सुरक्षित और विश्वसनीय गैस आपूर्ति प्रदान करता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में डीएमसी अध्यक्षा दीपिका टंडेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, डीएमसी काउंसिलरों में अस्पी दमणिया, नीला राणा, कपिला ओड, पियूष पटेल और जयंती पटेल उपस्थित रहे। साथ ही डीएमसी एओ रश्मिबेन, इंजीनियर्स केयूर पटेल और अनुरागभाई तथा राजनभाई, राहुलभाई, सुरेशभाई और अन्य स्टाफ एवं सुपरवाइजर्स भी उपस्थित रहे। उन्होंने नागरिकों को पीएनजी कनेक्शन के बारे में मार्गदर्शन दिया और उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस शिविर को जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और जनजागरूकता फैलाने में सफलता मिली।

पॉलिकैब के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर इंदर जयसिंघानी के जन्मदिन पर हुआ रक्तदान शिविर

■ कंपनी की सभी इकाईयों में आयोजित रक्तदान शिविर में 2604 यूनिट रक्त संग्रहित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मार्च। पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड कंपनी के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर इंदर टी. जयसिंघानी के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में सभी इकाईयों में 2604 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। जिसमें 2009 यूनिट रक्त हालोल गुजरात की इकाईयों तथा 595 यूनिट दमण एवं कल्सर की इकाईयों में रक्त संग्रहित हुआ। रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उच्च गुणवत्ता वाली देश की ब्रांडेड वायर एवं केबल निर्माता पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड कंपनी के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर इंदर टी. जयसिंघानी के जन्मदिन पर दमण, क्लसर सहित हालोल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कंपनी के कर्मचारियों ने स्वेच्छा से बढ़-चढकर भाग लेते हुए कुल 2604 यूनिट रक्तदान किया। हालोल में आयोजित रक्तदान शिविर में गुजरात की हिन्दू ब्लड बैंक के सहयोग से 2009 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। वहीं दमण की 7 यूनिटों के प्रशिक्षण सभागार में दमण रक्तदान केंद्र, वलसाड रक्तदान केंद्र, हरिया एलजी रोटरी हॉस्पिटल नुकेम ब्लड बैंक वापी, जीआईडीसी लायंस श्रीमती पुरीबेन पोपटलाखा ब्लड बैंक वापी, राजचंद्र हॉस्पिटल वलसाड के सहयोग और पॉलिकैब के सौजन्य से पॉलिकैब कंपनी के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर इंदर टी. जयसिंघानी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कंपनी के कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक 595 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर पॉलिकैब के प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी ने दमण की सभी यूनिटों के रक्तदान शिविरों का जमीनी स्तर पर दौरा कर रक्तदाताओं का मनोबल बढाया और रक्तदान करने वाले कर्मचारियों को धन्यवाद कहा और सर्टिफिकेट के साथ पुरस्कृत किया क्योंकि ये स्वेच्छा से रक्तदान कर दूसरों का जीवन बचाने का तोहफा देते हैं। इस रक्तदान शिविर में कर्मचारियों का सुबह से शाम तक जोश और जुनून देखने को मिला। लंबी कतारों में खडे कर्मचारियों ने अपनी-अपनी बारी आने तक प्रतीक्षा कर स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में पॉलिकैब कंपनी के प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी, एच. आर. मैनेजर दिनेश सिंह, कुमोध झा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गजानन वारूडकर, के. वी. राजू, कुमुद झा, दिनेश सिंह, प्रशांत थोराट, मुकेश थलिया, रघुनाथ उपमाकल, नेताजी, एस. के. नायर, आर. वी. सिंह, नवींद्र सिंह, आशाराम रावत, हिमांशु कुमार, मुरली, संजय सागर, अर्तबल्लव स्वाइन, जय मेहता, राजेंद्र पावड़े, तापस प्रमाणिक, निशांत, प्रहर, प्रमेंद्र सिंह, नैना दमणिया, वैभवी टंडेल, आनंद साहू, हार्दिक, गुलाब, रणजीत, संजय प्रजापति, अजय, वेंकटचलम, सुरेश नायर, आशीष, खुश राज, हार्दिक पटेल, कौशिल प्रजापति, स्नेहा प्रधान, सहित ब्लड बैंक का स्टॉफ और हॉस्पिटल के चिकित्सक मौजूद थे।

दिलीपनगर डेवलपमेंट एसो. ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर दिलीपनगर ग्राउंड पर आयोजित किया आयुष्मान भारत योजना का कैम्प

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मार्च। दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन ने दमण स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर आज दिलीपनगर ग्राउंड पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का कैम्प आयोजित किया था। इस मौके पर बडी संख्या में लोगों ने कैंप में पहुंचकर नये और रिन्यूअल कार्ड बनवाकर इसका लाभ लिया। इस मौके पर आयुष्मान भारत योजना के इंचार्ज मिहिर मेहता और दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के चेयरमैन लखम टंडेल, वाइस चेयरमैन प्रकाश टंडेल, वाइस चेयरमैन हरीश टंडेल, जनरल सेक्रेटरी कैलाश शर्मा, जॉइन्ट सेक्रेटरी अल्पेश उपाध्याय, कोषाध्यक्ष अनोज टंडेल, उमेश मित्तल और अन्य लोग उपस्थित रहे। दिलीपनगर ग्राउंड पर आयोजित आयुष्मान भारत योजना में आज लोगों ने नया और अपने पुराने कार्ड को रिन्यूअल कराया। सभी मिलाकर 30 लोगों के परिवार सहित 120 से ज्यादा व्यक्तियों का स्वास्थ्य सुरक्षित हुआ है। इस दौरान अनेक लोग आयुष्मान भारत का नया कार्ड बनवाने के लिए पूछताछ करने भी पहुंचे थे। डीडीए द्वारा भविष्य में भी ऐसे ही सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहेंगे।

एनआईएफटी और केवल किरण की जोडी फैशन जगत में मचाएगी धूम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मार्च। दमण शिक्षा जगत और परिधान उद्योग के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) के निदेशक डॉ. संजय श्रीवास्तव ने लोकप्रिय किलर ब्रांड की निर्माता कंपनी केवल किरण क्लोथिंग लिमिटेड (केकेसीएल) के दमण स्थित संयंत्र का दौरा किया। इस दौरे के दौरान डॉ. श्रीवास्तव ने उत्पादन, रसद और गुणवत्ता नियंत्रण विभागों के प्रमुखों के साथ गहन बातचीत की और केकेसीएल की परिचालन उत्कृष्टता और एकीकृत विनिर्माण प्रक्रियाओं की व्यापक जानकारी प्राप्त की। इस दौरे में केकेसीएल के महाप्रबंधक गजेंद्र प्रसाद के मिश्रा भी उपस्थित थे, जिन्होंने उद्योग की कार्यप्रणालियों और भविष्य की विकास संभावनाओं पर चर्चा को सुगम बनाया। बैठक में भारतीय वस्त्र और परिधान क्षेत्र में उभरते अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें भारत के मजबूत घरेलू बाजार को विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में रेखांकित किया गया। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि यह अंतर्निहित शक्ति देश को विकसित भारत 2047 पहल के तहत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में लाभप्रद स्थिति में रखती है। एनआईएफटी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि संस्थान अकादमिक शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटकर फैशन और वस्त्र उद्योग में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एनआईएफटी का उद्देश्य शिक्षा को वास्तविक उद्योग की गतिशीलता से जोड़कर अकादमिक जगत को मजबूत करना और फैशन के भविष्य को आकार देना है। इस दौरे के दौरान जो बात सबसे अधिक स्पष्ट हुई, वह केवल औपचारिक आदान-प्रदान ही नहीं, बल्कि संस्थानों और उद्योग के बीच उद्देश्य का स्पष्ट सामंजस्य था। जब नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी जैसे संस्थान केवल किरण क्लोथिंग लिमिटेड जैसी कंपनियों से सीधे जुड़ते हैं, तो परिणाम इंटर्नशिप या अकादमिक अपडेट से कहीं अधिक होते हैं। यह एक जीवंत प्रतिक्रिया चक्र बनाता है, जहां कक्षाएं कारखानों के साथ-साथ विकसित होती हैं, और विचारों को वास्तविक बाजार की गतिशीलता के आधार पर परखा जाता है।

दानह स्पोर्ट्स क्लब ने सफलतापूर्वक लॉन्च किया ग्राउंड जीरो: दानह-दमण-दीव में खेलों के लिए एक नया युग शुरु

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 29 मार्च। दानह स्पोर्ट्स क्लब ने गर्व के साथ ग्राउंड जीरो के सफल लॉन्च की घोषणा की। यह एक ऐतिहासिक पहल है जिसका उद्देश्य दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के खेल इकोसिस्टम को बदलना है। इस कार्यक्रम को खेल प्रेमियों, अभिभावकों, युवा एथलीटों और गणमान्य व्यक्तियों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यह इस क्षेत्र में एक व्यवस्थित और पेशेवर खेल संस्कृति बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बीसीसीआई/एनसीए प्रमाणित कोच कॉनर विलियम्स जो शुरुआत से ही कस्तूरी क्रिकेट अकादमी से जुड़े हुए हैं, भी इस लॉन्च कार्यक्रम में उपस्थित थे। एक सपना जो हकीकत बन गया। 2021 में कुछ जुनूनी लोगों के बीच एक सपने के तौर पर शुरू हुई यह पहल अब एक शक्तिशाली आंदोलन बन गई है। ग्राउंड जीरो एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण की नींव का प्रतिनिधित्व करता है। स्थानीय प्रतिभाओं को पहचानना, उन्हें निखारना और उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाना है। ग्राउंड जीरो में प्रमुख घोषणाएं। लॉन्च कार्यक्रम में कई प्रभावशाली पहलों को प्रदर्शित किया गया। जिसमें कस्तूरी क्रिकेट अकादमी जमीनी स्तर से पेशेवर क्रिकेट तक के रास्तों को मजबूत बनाना, कॉनर विलियम्स क्रिकेट स्कूल अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और व्यवस्थित कोचिंग प्रदान करना, स्पोर्टिंग क्लब दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के सहयोग से फुटबॉल जमीनी विकास कार्यक्रम, गोस चेस के सहयोग से शतरंज अकादमी, Zenshin MMA प्रशिक्षण कार्यक्रम इस क्षेत्र में आधुनिक कॉम्बैट खेलों की शुरुआत करना है। रणनीतिक बुनियादी ढांचा सहयोगः ग्राउंड जीरो की एक मुख्य विशेषता शिवप्रकाश मेमोरियल स्कूल के साथ किया गया सहयोग है। यह स्कूल कई खेल अकादमियों के लिए एक केंद्रीय केंद्र के रूप में काम करेगा। यह साझेदारी युवा एथलीटों के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे और एक सुरक्षित, व्यवस्थित प्रशिक्षण वातावरण तक पहुँच सुनिश्चित करती है। समुदाय-संचालित आंदोलनः ग्राउंड जीरो केवल एक लॉन्च कार्यक्रम नहीं है यह समुदाय-संचालित खेल क्रांति की शुरुआत है। बढ़ती भागीदारी, व्यवस्थित लीग और अकादमी प्रणालियों के साथ, दानह स्पोर्ट्स क्लब का उद्देश्य एक टिकाऊ खेल इकोसिस्टम बनाना है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कॉनर विलियम्स ने कहा कि हम कस्तूरी क्रिकेट अकादमी में कॉनर विलियम्स क्रिकेट स्कूल शुरू कर रहे हैं। यह एक डे बोर्डिंग क्रिकेट-केंद्रित स्कूल है। यह महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को शैक्षणिक स्कूली शिक्षा की सुविधा प्रदान करेगा और उनके सपनों को साकार करने में उनकी मदद करेगा। नेतृत्व की ओर से संदेशः ग्राउंड जीरो कोई मंजिल नहीं है, यह तो शुरुआत का बिंदु है। यहीं पर सपनों को आकार दिया जाएगा, प्रतिभा को तराशा जाएगा, और हमारे अपने ही ज़मीन से चैंपियन उभरेंगे। आगे का सफरः कई अकादमियों, लीगों और जमीनी स्तर के कार्यक्रमों के साथ, दानह स्पोर्ट्स क्लब इन लक्ष्यों के प्रति समर्पित है। जिसमें पेशेवर कोचिंग के रास्ते उपलब्ध कराना, लीग और टूर्नामेंट जैसे प्रतिस्पर्धी मंच तैयार करना, युवा प्रतिभाओं को पहचान और अवसर देकर उनका समर्थन करना, दानह और दमण-दीव में एक मज़बूत खेल संस्कृति का निर्माण करन है। दानह स्पोर्ट्स क्लब एक समर्पित संस्था है जो सुनियोजित कार्यक्रमों, टूर्नामेंटों और अकादमी पहलों के माध्यम से इस क्षेत्र में खेलों और खिलाड़ियों के विकास की दिशा में काम कर रही है।

स्टरलाइट कॉपर ने सिलवासा में नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 29 मार्च। स्टरलाइट कॉपर की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत स्थानीय निवासियों के बीच बेहतर नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चिंचपाड़ा गांव में एक नेत्र जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को निःशुल्क नेत्र जांच और प्राथमिक परामर्श सेवाएं प्रदान करना था। इस शिविर का उद्घाटन गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में, साथ ही कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ किया गया। योग्य नेत्र विशेषज्ञों और चिकित्सा कर्मियों ने ग्रामीणों की विस्तृत नेत्र जांच की और बेहतर नेत्र स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविर के दौरान समुदाय के सदस्यों को निःशुल्क दृष्टि जांच, प्राथमिक नेत्र दवाएं और आवश्यकता पड़ने पर आगे के उपचार के लिए सलाह दी गई। जिन व्यक्तियों में दृष्टि संबंधी समस्याएं पाई गईं, उन्हें चश्मे भी उपलब्ध कराए गए। इस पहल को ग्रामीणों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, गांव के सदस्यों ने शिविर में भाग लिया और निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाया। नेत्र जांच शिविर के बाद, समुदाय के 150 से अधिक सदस्यों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विशेष चश्मे वितरित किए गए। इस प्रकार की पहलें आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और उनके समग्र कल्याण को बेहतर बनाने के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)